राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ0प्र0)

(नैक तृतीय चक्र पूर्ण)

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति कार्यक्रम (द्वितीय चरण) के अन्तर्गत

मिशन शक्ति

विषय: महिलाओं को विधिक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श

दिनांक: 03-02-2021

समय: 2:30 से 3:30 बजे

डॉ0 पी0के0 वार्ष्णेय
प्राचार्य/संरक्षक

कार्यक्रम विवरण

दिनांक: 03-02-2021

समय: 2:30 से 3:30 बजे

क्र0 संख्या	कार्यक्रम विवरण	वक्ता
1.	कार्यक्रम परिचय/संचालन	डॉ0 रेनू
2.	शुभारम्भ की घोषणा एवं उद्बोधन	डॉ0 आर0 के0 सागर
3.	मुख्य वक्ता	डॉ0 विनीता सिंह एसो0 प्रोफेसर (HOD) अंग्रेजी विभाग रा0 रज़ा स्ना0 महा0 वि0, रामपुर
4.	धन्यवाद ज्ञापन	डॉ0 मीनाक्षी गुप्ता

संयोजक: डॉ0 अजीता रानी

आयोजक: डॉ0 रेनू

रिपोर्ट संकलन एवं सम्प्रेषण: डॉ0 निधि गुप्ता

दिनाँक 03-02-2021

कार्यालय राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामपुर

दैनिक आख्या

आज दिनाँक ०3 फरवरी को महाविद्यालय सभागार में उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत "भारत के आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे महाविद्यालय प्राचार्य डॉ पी के वार्ष्णेय जी ने बताया कि 17 अक्टूबर 2020 से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन मिशन शक्ति के तहत किया जा रहा है। यह अभियान शारदीय नवरात्रि 17/10/2020 से आरम्भ होकर बासंतिक नवरात्रि तक आयोजित होगा, जिसके अंतर्गत अनेक गतिविधियां महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण,आत्मरक्षा कौशल, विधिक एवं कानूनी जागरूकता आदि विषयों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

*डॉ राम किशोर सागर प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाएँ अग्रणी भूमिका निभाती आई हैं। कृषि कार्य और उच्च बचत दर निर्माण सहित आर्थिक गतिविधियों के विस्तृत दायरे में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बचत और उपभोग-अभिवृत्ति मामले में कोई संदेह नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था महिला केन्द्रित है।

मुख्य वक्ता डॉ विनीता सिंह प्राध्यापक अंग्रेज़ी विभाग ने कहा सरकार ने कामकाज के हर क्षेत्र में महिलाओं की गरिमा को महत्व दिया है। केन्द्र सरकार के नीतिगत सरलीकरण से देश में महिला उद्यमियों की संख्या बढ़ी है। देश के एमएसएमई क्षेत्र में अब लगभग 80 लाख से अधिक महिला उद्यमी हैं। पिछले 5 वर्षों में पीएमईजीपी के तहत 38 प्रतिशत की वृद्धि के साथ महिला उद्यमियों द्वारा उद्यमों की स्थापना की जा रही है। मुद्रा योजना जैसी योजनाओं से 15 करोड़ से अधिक महिला उद्यमी आत्म-निर्भर हुई हैं। कोरोना का संकट है, लेकिन गुणवत्ता सुधारने और आर्थिक प्रगति के लिए नया अवसर है। आवश्यकता अपनी शक्ति को पहचानने और नई दिशा पर चलने के संकल्प की है। कहा कि कोरोना संकट में विश्व की जो हालत है उसमें महिलाओं के लिए आर्थिक आत्म-निर्भरता और विकास का नया रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के कारण वर्तमान समय अत्यंत परिवर्तनशील हो गया। ई-कॉमर्स बिजनेस, ऑनलाइन बिजनेस और डिजिटल का प्रचलन बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यदि कामकाजी महिलाएं गरीब, दूरस्थ और पिछड़े अंचलों की महिलाओं के साथ जुड़े तो उनकी समस्याओं के समाधान में सहयोग होगा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किए जा सकेगा।

मंच संचालन डॉ रेणु, अंग्रेज़ी विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ मीनाक्षी गुप्ता मनोविज्ञान विभाग द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अनेक छात्र छात्राएं सम्मिलित रहे।

Principal
Govt. Raza P.G. College
Rampur (U.P.)